सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 349 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 25 जनवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

ज्ञान को लगातार सुधारना, चुनौती देना, और बढ़ाना होता है, नहीं तो वो गायब हो जाता है।

-पीटर ड्रकर

बबीता फोगाट समेत 252 पर... 7 | अब भाजपा का माहौल बनाने को... 3 | अखिलेश करहल और शिवपाल... 2

चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

दिग्गज नेता आरपीएन सिंह का इस्तीफा, भाजपा में शामिल

» कांग्रेस स्टार प्रचारक की सूची में भी था नाम

» स्वामी प्रसाद मौर्या के खिलाफ उतारने की भाजपा कर रही तैयारी

सोनिया गांधी को भेजा त्यागपत्र, ट्विटर पर लिखा, शुरू करने जा रहा हूं सियासी जीवन का नया अध्याय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे यूपी विधान सभा चुनाव के मतदान की तारीखें नजदीक आती जा रही हैं प्रदेश का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। सियासी दलों में दल-बदल का खेल भी जारी है। इसी कड़ी में चुनाव से पहले आज कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता आरपीएन सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेज दिया है। इसके बाद वे भाजपा मुख्यालय पहुंचे और पार्टी की सदस्यता ली। माना जा रहा है कि भाजपा आरपीएन सिंह को स्वामी प्रसाद मौर्या के खिलाफ कुशीनगर की पडरौना विधान सभा सीट से उतारने की तैयारी में है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में भी आरपीएन सिंह का नाम शामिल था।

केन्द्र की मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री रहे कुशीनगर के शाही सैंथवार परिवार के आरपीएन सिंह को कांग्रेस ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के लिए 30 सदस्यीय स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया था। उनके इस्तीफे से सियासत गर्म हो गयी है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री आरपीएन सिंह आज दोपहर नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचे और भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। बताया जा रहा है कि इसके पहले उनकी मुलाकात पीएम नरेन्द्र मोदी और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से हो चुकी है। वह बीते कई महीने से कांग्रेस में सक्रिय नहीं थे। आरपीएन सिंह पूर्वांचल में कांग्रेस का बड़ा चेहरा माने जाते हैं। उनका कांग्रेस से पुराना नाता रहा है। उनके पिता सीपीएन सिंह भी पुराने कांग्रेसी थे। आरपीएन सिंह भी अपने पिता सीपीएन सिंह की तरह पडरौना के विधायक रहे हैं। वर्ष 1996 से 2009 तक विधायक रहने के बाद आरपीएन सिंह कुशीनगर से 15वीं लोकसभा सदस्य बने। 16वीं लोकसभा चुनाव में भाजपा के राजेश पांडेय ने उन्हें हरा दिया था। आरपीएन सिंह के भाजपा में आने की चर्चा काफी समय से चल रही थी। पार्टी उनको स्वामी प्रसाद मौर्या के खिलाफ पडरौना विधान सभा सीट से चुनाव लड़वा सकती है। आरपीएन सिंह के कांग्रेस छोड़ने पर पी चिंदबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम ने लिखा कि आरपीएन सिंह उस लज्जाजनक लिस्ट में शामिल हो गए जिसमें जितिन प्रसाद और ज्योतिरादित्य सिंधिया थे।

> यह मेरे लिए नई शुरुआत है। मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर हूं।
>
> आरपीएन सिंह, पूर्व मंत्री

403 सीटों पर होना है मतदान

यूपी में 403 सीटों पर कुल सात चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को होगा और इसकी शुरुआत पश्चिमी यूपी से होगी। वहीं, दूसरे चरण का मतदान 14 फरवरी, तीसरे चरण का मतदान 20 फरवरी, चौथे चरण का मतदान 23 फरवरी, 5वें चरण का मतदान 27 फरवरी, छठे चरण का मतदान 3 मार्च और 7 वें चरण का मतदान 7 मार्च को होगा। वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

संत, महंत हो सकता है लेकिन सीएम-पीएम नहीं: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

» इशारों-इशारों में सीएम योगी पर साधा निशाना, 80-20 वाले बयान को बताया विभाजनकारी

» धार्मिक पदों पर कब्जा करना चाहते हैं राजनीतिक दल, शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य हैं अविमुक्तेश्वरानंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इशारों-इशारों में सीएम योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोई संत मुख्यमंत्री नहीं हो सकता। जो मुख्यमंत्री होगा वह संत नहीं रहता। मुख्यमंत्री का पद संवैधानिक है। उस पद पर आसीन होने वाला व्यक्ति धर्मनिरपेक्षता की शपथ लेता है। कोई भी आदमी दो प्रतिज्ञाओं का पालन नहीं कर सकता है। एक संत, महंत हो सकता है, लेकिन मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री नहीं।

उन्होंने कहा कि हर प्रमुख पदों पर राजनीति दल अपने लोगों को स्थापित कर रहे हैं। इसमें सभी दल शामिल हैं। राजनीतिक दल अपने विचारों को आगे बढ़ाने के लिए मतदाताओं के साथ धार्मिक पदों पर कब्जा करना चाहते हैं। देश में कुछ लोग चाहते हैं कि धर्मगुरु उनकी भाषा में बात करें इसीलिए धर्म का प्रचार करने वाले लोग इसकी पुरानी किताबों पर चल रहे हैं और उन्हें परेशान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव पर उन्होंने कहा कि लोगों को सही आदमी और सही पार्टी का चुनाव करना चाहिए ताकि सरकार बनने के बाद उन्हें पछताना न पड़े जैसा कि इन दिनों महसूस किया जा रहा है। चुनाव में 80 और 20 के बयान को उन्होंने देश तोड़ने वाला बताया। उन्होंने कहा कि इससे देश में विभाजन की स्थिति उत्पन्न होगी, ऐसी बात करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना चाहिए। यही नहीं उन्होंने माघ मेला क्षेत्र की व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस वर्ष माघ मेला की बहुत अनदेखी हुई है। अव्यवस्था से आहत होकर कुछ संत उपवास और आत्मदाह की धमकी देने को मजबूर हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि उनके पास पर्याप्त बजट नहीं है। अगर ऐसा है तो संतों को सार्वजनिक रूप से बताएं। संत चंदा से धन एकत्र करके उन्हें दे देंगे।

सपा ने जारी की अब तक के प्रत्याशियों की पूरी सूची

अखिलेश करहल और शिवपाल जसवंत नगर से लड़ेंगे चुनाव

» रामपुर से आजम खां और स्वार सीट से अब्दुल्ला आजम को टिकट

» 11 महिलाओं को भी बनाया गया है प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए सपा ने अब तक घोषित अपने प्रत्याशियों की पूरी लिस्ट जारी की है। इसके पहले सिर्फ गठबंधन की सीटें ही घोषित की गई थी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव करहल, रामपुर से आजम खां, स्वार सीट से उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और जसवंतनगर से शिवपाल सिंह यादव चुनाव लड़ेंगे। कुल 159 सीटों के लिए प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गयी है।

सपा ने सोमवार को 159 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। इनमें पहले, दूसरे, तीसरे व चौथे चरण की सीटें शामिल हैं। इसमें पहले चरण वाले प्रत्याशियों के नाम भी हैं जिनके नामांकन पत्र भरे जा चुके हैं। पहली सूची में 31 मुस्लिम व 18 यादवों को टिकट दिया गया है। सपा ने 31 अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों पर भी भरोसा जताया है। इस सूची में 11 महिलाओं को टिकट दिया गया है। सपा प्रमुख ने रायबरेली की ऊंचाहार सीट से अपने विधायक मनोज पांडेय पर भरोसा जताते हुए फिर टिकट दिया है। चर्चा यह थी कि भाजपा से सपा में शामिल हुए पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या इस सीट से बेटे उत्कृष्ट मौर्य के लिए टिकट मांग रहे हैं। उत्कृष्ट 2017 में भाजपा व 2012 में बसपा के टिकट से चुनाव लड़ चुके हैं। दोनों बार उन्हें मनोज पांडेय ने ही हराया था। कैराना से नाहिद हसन व सहारनपुर नगर से संजय गर्ग को फिर टिकट दिया गया है। सपा ने आठ ब्राह्मण व छह वैश्य समाज के नेताओं को भी टिकट दिया है। सपा की 159 सीटों में 28 सीटें ऐसी हैं जिसमें उसे 2017 में जीत मिली थी। इसमें से 21 सीटों पर फिर से अपने विधायकों को टिकट दे दिया है। सात सीटें ऐसी हैं जिसमें टिकट बदले गए हैं। दूसरे दलों से सपा में आए नेताओं को बड़ी संख्या में टिकट दिए गए हैं। भाजपा सरकार में मंत्री धर्म सिंह सैनी को नकुड़ से टिकट मिला है। बसपा से सपा में शामिल हुए सीताराम कुशवाहा को झांसी से प्रत्याशी बनाया गया है। सीताराम 2012 और 2017 के विधान सभा चुनाव में बसपा से किस्मत आजमा चुके हैं। दोनों बार वे दूसरे स्थान पर रहे थे। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे आरएस कुशवाहा को सपा ने निघासन से टिकट दिया गया है। स्वामी प्रसाद मौर्य के करीबी विधायक रोशन लाल वर्मा को शाहजहांपुर की तिलहर सीट से टिकट दिया गया है। वहीं, नीरज मौर्य को जलालाबाद से टिकट दिया गया है।

अब तक गठबंधन की 194 सीटें घोषित

सपा गठबंधन की अब तक 194 सीटें घोषित हो चुकी हैं। इनमें सपा की 159, राष्ट्रीय लोकदल की 33, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एक-एक प्रत्याशी शामिल हैं। वहीं, पहले चरण की 58 सीटों में 29 रालोद, 28 सपा व एक एनसीपी की सीट शामिल है।

यह है प्रत्याशियों के नामों की सूची

करहलः अखिलेश यादव, बेहटः उमर अली खान, नकुड़ः धर्म सिंह सैनी, सहारनपुर नगरः संजय गर्ग, सहारनपुर देहातः आशू मलिक, देवबंदः कार्तिकेय राणा गंगोहः इंद्रसेन, कैरानाः नाहिद हसन, परथावलः पंकज कुमार मलिक, नजीबाबादः तसलीम अहमद, नगीना (सुरक्षित): मनोज कुमार पारस, बढ़पुरः कपिल कुमार, धामपुरः नईमुल हसन, चांदपुरः स्वामी ओमवेश, नूरपुरः रामअवतार सिंह, कांतः कमाल अख्तर, मुरादाबाद ठाकुरद्वाराः नवाब जान, मुरादाबादः मोहम्मद नासिर, मुरादाबाद नगरः मोहम्मद यूसुफ अंसारी, कुंदरकीः जियाउर्रहमान, बिलारीः मोहम्मद फहीम इरफान, चंदौसी (सुरक्षित): कु. विमलेश, असमौली : पिंकी सिंह, संभलः इकबाल महमूद, गुन्नौरः राम खिलाड़ी सिंह, स्वारः अब्दुल्ला आजम खां, रामपुर चमरौआः नसीर अहमद खां, रामपुर बिलासपुरः अमरजीत सिंह, रामपुर : मोहम्मद आजम खान, रामपुर मिलक (सुरक्षित): विजय सिंह, धनौरा (सुरक्षित): विवेक सिंह, नौगावां सादातः समरपाल सिंह, अमरोहा : महबूब अली, हसनपुर : मुखिया गुर्गुर, सरधना : अतुल, हस्तिनापुर (सुरक्षित) : योगेश वर्मा, किठौर : शाहिद मंजूर, मेरठ : रफीक अंसारी, मेरठ दक्षिण : मोहम्मद आदिल, साहिबाबाद : अमरपाल, गाजियाबाद : विशाल वर्मा, धौलाना : असलम अली, गढ़मुक्तेश्वर : रविंद्र चौधरी, नोएडा : सुनील चौधरी, दादरी : राजकुमार, सिकंदराबाद : राहुल यादव, डिबाई : हरीश कुमार, खुर्जा (सुरक्षित) : बंशी सिंह, अतरौली : वीरेश यादव, छर्रा : लक्ष्मी धनगर, कोल : शाज इस्लाक, जफर आलम, हाथरस (सुरक्षित) : बृजमोहन, मांट : संजय लाठर, मथुरा : देवेंद्र अग्रवाल, एत्मादपुर : डा. वीरेंद्र सिंह चौहान, आगरा कैंट (सुरक्षित) : कुंवर चंद, आगरा दक्षिण : विनय अग्रवाल, आगरा उत्तरी : ज्ञानेंद्र, फतेहाबाद : रूपाली दीक्षित, बाह : मधूसूदन शर्मा, टूंडला (सुरक्षित) : राकेश बाबू, जसराना : सचिन यादव, फिरोजाबाद : सैफुर्रहमान, शिकोहाबाद : मुकेश वर्मा, सिरसागंज : सर्वेश सिंह, मानपाल सिंह, अमापुर : सत्यभान सिंह शाक्य, अलीगंज : रामेश्वर सिंह यादव, जुगेंद्र सिंह यादव, जलेसर (सुरक्षित) : रणजीत सुमन, मैनपुरी : राजकुमार उर्फ राजू यादव, भोगांव : आलोक शाक्य, किशनी (सुरक्षित) : बृजेश कठेरिया, बिसौली (सुरक्षित) : आशुतोष मौर्य, सहसवान : बृजेश यादव, बिल्सी : चंद्र प्रकाश मौर्य, शेखूपुर : हिमांशु यादव, दातागंज : अर्जुन सिंह, बहेड़ी : अताउर्रहमान, मीरगंज : सुल्तान बेग, भोजीपुरा : शहजिल इस्लाम अंसारी, नवाबगंज : भगवतशरण गंगवार, फरीदपुर (सुरक्षित) : विजयपाल सिंह, बिथरीचैनपुर : अगम मौर्य, बरेली : राजेश कुमार अग्रवाल, बरेली कैंट : सुप्रिया ऐरन, आंवला : पंडित राधाकृष्ण शर्मा, पीलीभीत : डा. शैलेंद्र गंगवार, बरखेड़ा : हेमराज वर्मा, पूरनपुर (सुरक्षित) : आरती, कटरा : राजेश यादव, जलालाबाद : नीरज नलिनीश, तिलहर : रोशनलाल वर्मा, पुवायां (सुरक्षित) : उपेंद्र पाल सिंह, शाहजहांपुर : तनवीर खां, ददरौल : राजेश कुमार वर्मा, पलिया : प्रिपेंद्र पाल सिंह काकू, निघासन : आरएस कुशवाहा, गोला गोकरननाथ : विनय तिवारी, श्रीनगर (सुरक्षित) : रामसरन, उत्कर्ष वर्मा, महोली : अनूप गुप्ता, सीतापुर : राधेश्याम जायसवाल, हरगांव (सुरक्षित) : रामहेत भारती, बिसवां : अफजाल कौसर, सेवता : महेंद्र सिंह झीन बाबू, मल्हमूदाबाद : नरेंद्र वर्मा, शाहाबाद : आसिफ खान बब्बू, हरदोई : अनिल वर्मा, गोपामऊ (सुरक्षित) : राजेश्वरी, बिलग्राम मल्लावां : बृजेश कुमार वर्मा टिल्लू भइया, सफीपुर (सुरक्षित) : सुधीर रावत, मोहान (सुरक्षित) : डा. आंचल वर्मा, उन्नाव : अभिनव कुमार, भगवंतनगर : अंकित परिहार, उन्नाव पुरवा : उदयराज यादव, हरचंदपुर : राहुल लोधी, सरेनी : देवेंद्र प्रताप सिंह, ऊंचाहार : मनोज पांडेय, कायमगंज (सुरक्षित) : सर्वेश आंबेडकर, अमृतपुर : डा. जितेंद्र यादव, फर्रुखाबाद : सुमन मौर्या, भोजपुर : अरशद जमाल, छिबरामऊ : अरविंद यादव, तिर्वा : अनिल कुमार पाल, कन्नौज (सुरक्षित) : अनिल कुमार, जसवंतनगर : शिवपाल सिंह यादव (प्रसपा), भरथना (सुरक्षित) - राघवेंद्र कुमार सिंह, दिबियापुर : प्रदीप यादव, औरैया (सुरक्षित) : जितेंद्र दोहरे, रसूलाबाद (सुरक्षित) : कमलेश चंद्र दिवाकर, अकबरपुर रनिया : आरपी कुशवाहा, कानपुर देहात : भोगनीपुर : नरेंद्र पाल सिंह, बिठूर : मुनेंद्र शुक्ला, कल्याणपुर : सतीश कुमार निगम, सीसामऊ : हाजी इरफान सोलंकी, आर्यनगर : अमिताभ बाजपेई, महराजपुर : फतेह बहादुर सिंह गिल, घाटमपुर (सुरक्षित) : भगवती सागर, माधौगढ़ : राघवेंद्र प्रताप सिंह, कालपी : श्रीराम पाल, उरई (सुरक्षित) : दयाशंकर वर्मा, बबीना : राशपाल यादव, झांसी : सीताराम कुशवाहा, मऊरानीपुर (सुरक्षित) : तिलक चंद्र अहिरवार, गरौठा : दीप नारायण सिंह, ललितपुर : रमेश प्रसाद, महरौनी (सुरक्षित) : फेरनलाल अहिरवार, राठ (सुरक्षित) : चंद्रवती, महोबा : मनोज तिवारी, चरखारी : अजेंद्र सिंह राजपूत, तिंदवारी : ब्रिजेश प्रजापति, नरैनी (सुरक्षित) : दद्दू प्रसाद, जहानाबाद : मदन गोपाल, बिंदकी : रामेश्वर दयाल गुप्ता दयालु गुप्ता, फतेहपुर : चंद्र प्रकाश लोधी, अयाहशाह : विशंभर प्रसाद निषाद, हुसैनगंज : ऊषा मौर्या।

यूपी की कानून-व्यवस्था पर मायावती ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनावी सरगर्मी के बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भय, भ्रष्टाचार और पलायन यूपी की बड़ी समस्याएं हैं। उन्होंने ट्वीट किया- भय, भ्रष्टाचार, भेदभाव, जानमाल, मजहब की असुरक्षा अर्थात यूपी की बदतर कानून व्यवस्था, बेरोजगारी एवं लाखों का पलायन इस विशाल आबादी वाले राज्य की सबसे बड़ी समस्याएं हैं, जो लगातार बढ़ती ही जा रही है और लोगों में कुंठा पैदा कर रही हैं। समाज व प्रदेश इससे पिछड़ रहा है। यह अति दुखद है। मायावती ने अपनी सरकार की भी याद दिलाई। कहा कि बसपा सरकार में ढाई लाख गरीब परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त आवास उपलब्ध कराए गए थे। इसके अलावा 15 से 20 लाख और मकान बनाने की तैयारी चल रही थी।

जिन्ना नहीं, सरदार पटेल हैं हमारे आदर्शः इमरान मसूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व विधायक और हाल ही में कांग्रेस छोड़ कर सपा में आए वरिष्ठ नेता इमरान मसूद ने कहा कि हमारे आदर्श जिन्ना नहीं, बल्कि सरदार पटेल हैं। यदि जिन्ना हमारे आदर्श होते तो हम भी आज पाकिस्तान में होते। हम जिन्ना को देश के बंटवारे का गुनहगार मानते हैं। कलक्ट्रेट में नामांकन करने वाले सपा प्रत्याशियों के समर्थन में आए मसूद भाजपा पर हमलावर रहे। उन्होंने कहा जिन्ना कि मूर्ति हम नहीं, वो लगाएंगे, जिन्होंने मुस्लिम लीग के साथ मिलकर बंगाल में सरकार बनाई थी। भाजपा के आदर्श श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने मुस्लिम लीग के साथ मिलकर 12 दिसंबर 1941 में बंगाल में सरकार बनाई थी, जिसमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री थे।

उत्तराखंड : रामनगर से लड़ेंगे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत

» संगठन ने 11 और सीटों पर तय किए उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए प्रथम चरण में 53 प्रत्याशियों की सूची जारी करने के बाद कांग्रेस पार्टी ने 11 अन्य प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी। जबकि छह सीटों पर माथापच्ची अब भी जारी है।

प्रत्याशियों की दूसरी सूची के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत रामनगर तो अनुकृति गुसाईं लैंसडौन से चुनाव लड़ेंगी। पार्टी ने 11 में से दस सीटों पर नए चेहरों को मैदान में उतारा है। खास बात यह रही कि पार्टी की ओर से अधिकारिक तौर पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा से काफी पहले ही सूची मीडिया में लीक हो गई थी। नई दिल्ली में सीईसी की मैराथन बैठक के बाद पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक की ओर से कांग्रेस प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की गई।

कांग्रेस की कमजोर स्थिति का फायदा उठाने में जुटीं आम आदमी पार्टी

2014 के बाद से लगातार घट रहा कांग्रेस का जनाधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस के अलावा कई क्षेत्रीय दल भी मैदान में उतर रहे हैं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी भी गोवा, पंजाब और उत्तराखंड में अपना भाग्य आजमा रही है तो वहीं ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस भी गोवा जैसे राज्य में दम खम के साथ मैदान में उतर रही है। कांग्रेस पार्टी के कमजोर होने का फायदा उठाने के लिए दोनों ही पार्टियां बाकी राज्यों में भी सियासी दखल बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

2014 लोकसभा चुनावों के बाद से

कांग्रेस कई राज्यों में अपनी सत्ता गंवा चुकी है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश समेत दक्षिण भारत के कई राज्यों में पार्टी आज तीसरे और चौथे नंबर तक आ गई है। हिंदी पट्टी के राज्यों में जहां कांग्रेस की लड़ाई सीधे तौर पर भाजपा से है तो वहीं पार्टी भीतरी गुटबाजी से भी लड़ती रही है। विशेषज्ञ कहते हैं कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए करो या मरो की तरह है। सभी राज्यों में कांग्रेस को फिलहाल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। सामान्य रूप से देखा जाए तो चुनावों में राजनीतिक दलों के लिए हार या जीत का सिलसिला चलता रहता है लेकिन इन चुनावों में कांग्रेस को हार का दोहरा नुकसान हो सकता है।

अब भाजपा का माहौल बनाने को उतरेगी विद्यार्थी परिषद, चलाएगी अभियान

» गांव-गांव जाएंगे, लगाएंगे चौपाल, बिना नाम लिए भाजपा के पक्ष में मांगेंगे वोट

» जिला और नगर स्तर पर किया गया समितियों का गठन, युवाओं पर खास नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपनी उपस्थिति कुछ अलग अंदाज में दर्ज कराने की तैयारी की है। परिषद के कार्यकर्ता लोगों के बीच जाएंगे। उन्हें मतदान का महत्व बताएंगे और उस दौरान बरती जाने वाली सतर्कता की जानकारी देंगे। इसी आधार पर कार्यकर्ता सीधे तौर पर राजनीतिक दल का नाम लिए बिना भाजपा के पक्ष में वोट मागेंगे। अपने इस कार्यक्रम को धरातल पर लाने के लिए वह गांवों और मोहल्लों में चौपाल लगाएंगे। इसकी शुरुआत एक फरवरी से होगी।

परिषद ने इसके लिए बाकायदा चुनाव अभियान संचालन समिति बनाई है। समिति का गठन जिला और नगर स्तर पर किया गया है। विद्यार्थी परिषद के गोरक्ष प्रांत के गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल के प्रशासनिक जिलों में 16 सांगठनिक जिले और 152 नगर इकाइयां हैं। जिलों की संचालन समिति पांच-पांच और नगर की संचालन समिति तीन-तीन कार्यकर्ताओं की बनाई गई है। यह समिति ही गांव और शहर में चौपाल लगाया जाना सुनिश्चित करेगी। चौपाल में कार्यकर्ता सकारात्मक परिवर्तन के मतदान के महत्व को बताएंगे। साथ में यह भी बताएंगे कि मतदान के दौरान मतदाताओं को किन-किन बातों का ध्यान रखना होगा। मतदाताओं से अपील करेंगे कि वह मत डालने से पहले पार्टी की विचारधारा और समाज व राष्ट्र के लिए उसकी उपयोगिता पर जरूर गौर करें। जाति, वर्ग, समुदाय व क्षेत्र को मतदान का आधार हरगिज न बनाएं। अभियान में विद्यार्थी परिषद का फोकस विशेषकर युवा मतदाता होंगे। उनका लक्ष्य युवाओं का शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराना होगा।

स्वामी प्रसाद मौर्या की सीट पर चक्रव्यूह रच रही भाजपा

लखनऊ। भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्या के भाजपा छोड़ सपा में शामिल होने के बाद पडरौना विधान सभा सीट प्रदेश की सियासी चर्चाओं में शुमार है। चर्चा है कि भाजपा डैमेज कंट्रोल के लिए किसी कद्दावर नेता की तलाश में है। यहां भाजपा पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। दो दशक तक यहां की राजनीति में मजबूती से दखल रखने वाले स्वामी प्रसाद मौर्या के जाने से भाजपा का सियासी समीकरण न बिगड़े इस पर भी पूरा फोकस रहेगा। वैसे तो जिले की पडरौना विधान सभा सीट का अलग ही मिजाज रहा है। 1991 व 2017 के चुनाव को छोड़ दिया जाए तो यहां के मतदाता सत्ता व लहर के विपरीत जनादेश देते रहे हैं। यही वजह है कि कांग्रेस के आरपीएन सिंह ने हैट्रिक लगाई तो स्वामी प्रसाद मौर्या ने भी इस इतिहास को दोहराया। चुनाव से ठीक पहले मौर्या के पाला बदलने के बाद भाजपा से टिकट चाहने वालों फेहरिस्त लंबी तो हुई है लेकिन पार्टी के सामने प्रत्याशी के कद को लेकर संकट दिख रहा है। कुशवाहा बिरादरी भाजपा का परंपरागत वोट माना जाता है लेकिन 2009 के उपचुनाव और 2012 के विधान सभा चुनाव में मौर्य के इस सीट पर लड़ने से यह वोट उनके साथ चला गया। लहर को भांपते हुए स्वामी प्रसाद मौर्या ने 2017 में भाजपा का दामन थामा था, तब फिर इस समाज का वोट भाजपा के खाते में आया। इस सीट पर भाजपा राम लहर व मोदी लहर में ही जीती है। यहां सर्वाधिक छह बार कांग्रेस को जीत मिली है, इसका एक बड़ा कारण पडरौना राज दरबार भी रहा है। पडरौना सदर सीट पर किसे प्रत्याशी बनाया जाएगा, इस पर शीर्ष नेतृत्व मंथन कर रहा है।

विस्तारक होंगे तैनात

मतदाताओं को जागरूक करने के इस अभियान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भी भाजपा की तर्ज पर सभी विधान सभा क्षेत्रों में अपने विस्तारक बना रही है। विस्तारकों का चयन पूर्व कार्यकर्ताओं में से किया जा रहा है। ये विस्तारक एक फरवरी से चुनाव तक अपने घर-परिवार से दूर रहकर अपने लिए संगठन द्वारा निर्धारित विधान सभा क्षेत्र में निवास करेंगे और चुनावी दृष्टि से संगठन के क्रिया-कलाप में सहयोग करेंगे, साथ ही कार्यकर्ताओं की मानिटिरिंग भी करेंगे।

वर्चुअल माध्यम पर भी रहेगा जोर

कोरोना संक्रमण और कोविड प्रोटोकाल को ध्यान रखते हुए अपने चुनावी अभियान में विद्यार्थी परिषद का जोर वर्चुअल माध्यमों पर है। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने के लिए भी संगठन ने पुख्ता योजना बनाई है। इसके लिए परिषद के आईटी कार्यकर्ता आकर्षक पोस्टर, ग्राफिक्स, कंटेंट राइटिंग तैयार कर रहे हैं। उसे जल्द इंटरनेट मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए प्रांत से लेकर नगर स्तर पर समय-समय पर जो बैठकें आयोजित की जाएंगी, उसे भी वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया जाएगा। एक फरवरी से इस कार्य को भी गति प्रदान करने की संगठन की योजना है।

कांग्रेस ने उतारी स्टार प्रचारकों की फौज, विपक्ष के हर वार का देंगे जवाब

पूर्व केंद्रीय मंत्रियों के साथ सचिन पायलट पार्टी के पक्ष में बनाएंगे माहौल

» वर्चुअल और सोशल मीडिया पर विपक्षी दलों से तेज होगी जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव-2022 के पहले चरण के लिए कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव और यूपी प्रियंका गांधी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कन्हैया कुमार और इमरान प्रतापगढ़ी समेत 30 नेताओं को शामिल किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के बाद सोमवार को कांग्रेस ने भी अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी। इसमें सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, विधायक आराधना मिश्रा, पूर्व राज्यसभा सदस्य गुलाम नबी आजाद, अशोक गहलोत, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, भूपेश बघेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राज बब्बर, पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री पीएल पुनिया, आरपीएन सिंह और सचिन पायलट का नाम शामिल है। हार्दिक पटेल, कन्हैया कुमार और आचार्य प्रमोद कृष्णम भी प्रचार करेंगे। इसके अलावा, प्रदीप जैन आदित्य, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, वर्षा गायकवाड़, हार्दिक पटेल, फूलो देवी नेतम, सुप्रिया श्रीनेत, इमरान प्रतापगढ़ी, कन्हैया कुमार, प्रनिति शिंदे, धीरज गुर्जर, रोहित चौधरी और तौकीर आलम कांग्रेस के लिए यूपी में प्रचार करेंगे। इसके साथ ही वर्चुअल रैली और सोशल मीडिया के जरिए विपक्षी दलों से जंग तेज हो गयी है। कांग्रेस का अन्य दलों के साथ ट्विटर वार तेज हो गया।

सोनिया-प्रियंका भी संभालेगी कमान

कांग्रेस की स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सात महिलाओं को भी शामिल किया गया है। इसमें सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, आराधना मिश्रा मोना, फूलो देवी नेतम, सुप्रिया श्रीनेत, प्रनिति शिंदे और वर्षा गायकवाड़ का नाम शामिल है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कम्युनिटी ट्रांसमिशन का बढ़ता खतरा

कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया में कोहराम मचा रखा है। भारत में डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट की तीसरी लहर चल रही है। हालात यह है कि रोजाना तीन लाख से अधिक लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। तमाम शहरों में यह बेहद तेजी से फैल रहा है। मुंबई और दिल्ली में ओमिक्रॉन बढ़ता जा रहा है। संक्रमण की रफ्तार को देखते हुए इसके कम्युनिटी ट्रांसमिशन का खतरा मंडराने लगा है।

कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया में कोहराम मचा रखा है। भारत में डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट की तीसरी लहर चल रही है। हालात यह है कि रोजाना तीन लाख से अधिक लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। तमाम शहरों में यह बेहद तेजी से फैल रहा है। मुंबई और दिल्ली में ओमिक्रॉन बढ़ता जा रहा है। संक्रमण की रफ्तार को देखते हुए इसके कम्युनिटी ट्रांसमिशन का खतरा मंडराने लगा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि कई महानगरों में कम्युनिटी ट्रांसमिशन शुरू हो चुका है और यह तेजी से बढ़ेगा। सवाल यह है कि यह स्थिति कैसे उत्पन्न हुई? पाबंदियों के बावजूद संक्रमण पर लगाम क्यों नहीं लग सकी? क्या राज्य सरकारों की लापरवाही के कारण हालात बिगड़ रहे हैं? कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कड़ाई से क्यों नहीं कराया गया? क्या लोगों के मन से कोरोना का डर खत्म हो चुका है? सरकार ने दूसरी लहर से उत्पन्न हुई हाहाकारी स्थितियों से सबक क्यों नहीं लिया? क्या लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने की छूट किसी को दी जा सकती है?

दो साल से अधिक होने के बाद भी देश को कोरोना से निजात नहीं मिल पायी है। दूसरी लहर में साढ़े चार लाख लोग इसकी चपेट में आकर मौत के मुंह में समा चुके हैं। अब तीसरी लहर का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस लहर के लिए डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट को जिम्मेदार माना जा रहा है। ओमिक्रॉन भले ही कम घातक हो लेकिन यह डेल्टा वेरिएंट से कई गुना तेजी से संक्रमण फैलाता है। यही वजह है कि दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की शुरूआत हो चुकी है। कम्युनिटी ट्रांसमिशन वह स्टेज होती है जब स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में लोग संक्रमित होते हैं और इसकी चेन नहीं मिल पाती है यानी संक्रमण कहां से फैला इसका पता नहीं चल पाता है। वहीं ओमिक्रॉन के मामले में बिना लक्षण या हल्के लक्षण मिल रहे हैं। बिना लक्षण वाले लोग संक्रमण को तेजी से फैला रहे हैं। वहीं हल्के लक्षण वाले भी अधिकांश अपनी जांच नहीं करा रहे हैं। इसके अलावा लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर रहे हैं। वे न तो मास्क लगा रहे हैं न कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं। इसके कारण संक्रमण रफ्तार पकड़ता जा रहा है। जाहिर है यदि राज्य सरकारों ने कोरोना प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित नहीं किया तो पूरे देश में कम्युनिटी स्प्रेड को रोकना मुश्किल होगा। यह स्थिति बेहद खतरनाक होगी। यह देश की स्वास्थ्य सेवाओं को चरमरा देगी। वहीं सरकार को चाहिए कि वह जल्द से जल्द सभी को वैक्सीनेशन के जरिए सुरक्षा कवच प्रदान करे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शहरीकरण से उत्सवधर्मिता को विस्तार

दीपांकर गुप्ता

कोलकाता के दुर्गा पूजा उत्सव को अब यूनेस्को ने सांस्कृतिक धरोहर में शामिल कर लिया है, क्योंकि यह अवसर न केवल पवित्र आस्था व्यक्त करने का है बल्कि उस आमोद-प्रमोद का भी, जो इससे जुड़ा है। साल-दर-साल होती आई दुर्गा पूजा क्रमिक विकास के रूप में आज हमारे सामने है, उसके लिए हमें शहरीकरण का धन्यवाद करना चाहिए। जब तक दुर्गा पूजा का आयोजन रिवायती जगहों (ठाकुर दालान) तक सीमित रहा, मुख्यत: आराधना और प्रार्थना रही, तब इसे यूनेस्को की मान्यता न मिल पाती। इसके लिए इस रिवायत का गांव से शहर आना जरूरी था, जहां इसने भव्य पंडाल, नाना भोज्य पदार्थों, नाट्य प्रस्तुति, फिल्मों और आमोद से सज्जित मौजूदा स्वरूप पाया।

दुर्गा पूजा का यह रूपांतर चरणों में हुआ है। पहले केवल बड़े जमींदार अपने यहां अनुष्ठान करवाते थे, जिसमें गरीब-गुरबों को दूर रखा जाता था। 19वीं सदी के अंत में खुद को आमंत्रण न दिए जाने से रुष्ट हुए ब्राह्मणों के एक समूह ने काफी सदस्यों को साथ जोड़कर एक अर्द्ध-सहकारी आयोजन करवाना शुरू किया लेकिन यह केवल 20वीं सदी में संभव हुआ जब दुर्गा पूजा उत्सव ने कोलकाता पहुंचकर सार्वजनिक उत्सव का रूप ले लिया। यह दुर्गा पूजा का वर्तमान स्वरूप है, जिसको यूनेस्को ने अप्रत्यक्ष धरोहर वर्ग में सहर्ष शामिल किया है। हालांकि, यूनोस्को का ध्यान दुर्गा पूजा पर गया है किंतु मुंबई में आयोजित होने वाले गणेश चतुर्थी उत्सव में भी ठीक इस जैसे उल्लासमय माहौल में लोग भाग लेते हैं। इस मामले में भी, यह आयोजन तभी प्रमुखता पा सका जब यह पेशवाओं की हवेलियों में आयोजित गंभीर विधिवत, धार्मिक संस्कार वाले स्वरूप से हटकर मुंबई के सार्वजनिक मैदानों में आयोजित होने लगा। इसकी शुरुआत वर्ष 1893 में बाल गंगाधर तिलक ने मुंबई के गिरगाम में की थी। इसका मंतव्य था, लोगों में जाति भेदभाव मिटाना और राष्ट्रीय आंदोलन के प्रति उत्साह जगाना। यह तत्कालीन औपनिवेशिक सत्ता को चुनौती देने का प्रतीक भी बना, जिसने सार्वजनिक सभा-समारोहों पर रोक लगा रखी थी। कहने की जरूरत नहीं, जैसे-जैसे शहर बड़ा होता गया, वैसे-वैसे गणेश चतुर्थी समारोह भी।

आयोजन का चंद संभ्रांत घरों से बाहर निकल सार्वजनिक स्थलों पर होने वाला यह बदलाव शहरीकरण के बिना संभव नहीं था। गांवों में उच्च वर्ग की जो मजबूत पकड़ और रुतबा था,

वह शहरों में जाता रहा। नगर में व्यक्ति की पिछली जाति-वर्ण आधारित पहचान का भी खास अर्थ नहीं था, जो लोगों को आपस में मुक्त होकर मिलने-जुलने की इज़ाजत देता था। अगर कहीं उच्च वर्ग का प्रभाव था भी, तो ऐसा जिसमें आसानी से समायोजन हो सके। अर्थात इसका चित्रण केवल मलिन बस्तियां, हिंसा, गंदगी नहीं है, जो अक्सर शहर को लेकर किया जाता है बल्कि शहरीकरण ने इंसानों में समान खुशियां, आनंद और रंग भी भरा है। साथ मिलकर उत्सव मनाने से जितना सौहार्द पैदा होता है वह राजनीतिक मंचों से दिए असंख्य भाषणों से संभव नहीं है। क्रिसमस मनाना भी आजकल सबको आकर्षित करता है क्योंकि अब यह शुद्ध धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहा, खासकर सांता क्लॉज़ के आगमन के साथ। यह भी शहरी आयोजन है। सांता, बतौर क्रिसमस फादर, एक धार्मिक चरित्र न होकर हंसमुख, गुलगुले, बुजुर्ग हैं, जिन्हें उपहार बांटने की लत है। एक बार पुन: सांता क्लाज़ और क्रिसमस का हर्षोल्लास शहरीकरण के साथ बढ़ता गया, खासकर द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद। क्रिसमस कैरोल सदैव पश्चिमी जगत के सभी मशहूर गायकों के प्रिय रहे हैं, जिन्होंने इस पर विशेष एलबम निकाली हैं। उपहारों का आदान-प्रदान भी शहरीकरण के साथ बढ़ा, जो खिलौने से चलकर कारों तक पहुंचा, लगभग हर किस्म की व्यावसायिक वस्तु उपहार में दी जाने लगी। सांता के बिना क्रिसमस कैसा? यह देखकर कि सांता का किरदार खुद यीशु मसीह से ज्यादा लोकप्रिय होता जा रहा है, वर्ष 1951 में फ्रांस के दिजॉन शहर के कैथोलिक पादरियों ने तय किया कि इस पर कुछ करना होगा। उन्होंने पूरे शहर के लोगों और बच्चों को चर्च में इकट्ठा करवाया, जहां पहले सांता को बुतपरस्त ठहराते हुए भर्त्सना की गई और फिर सबके सामने उनके पुतले को फांसी देने के बाद जला डाला।चूंकि उनका यह कारनामा स्थानीय लोगों और मीडिया में विशेष असर डालने में असफल रहा, लिहाजा दिजॉन में सांता क्लॉज़ का वजूद बना रहा। मानव विज्ञानी लिवॉइ स्ट्रॉस की मशहूर उक्ति है 'सांता को उन वयस्क लोगों ने जीवित रखा, जिन्हें भले ही उसके वजूद पर यकीन नहीं हो लेकिन अपने बच्चों को उपहार देकर उसकी हकीकत को दृढ़ करते रहे।'

इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा

विवेक शुक्ला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नयी दिल्ली के राजपथ पर स्थित इंडिया गेट पर हमारे स्वाधीनता संग्राम के महान सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा लगाने का फैसला कर इस महानायक को न केवल यथोचित सम्मान का प्रदर्शन किया है, बल्कि उनकी स्मृति को उसका अधिकार भी प्रदान किया है। नेताजी समूचे देश के नायक हैं। इंडिया गेट पर देशभर से ही नहीं, वरन पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। वे सब वहां अब उनकी मूर्ति को देख सेकेंगे तथा भारत की स्वतंत्रता में उनके योगदान का स्मरण कर सकेंगे। देश की राजधानी में लगभग 47 साल पहले सुभाष पार्क (पहले एडवर्ड पार्क) में 23 जनवरी, 1975 को स्थापित की गयी थी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पहली आदमकद मूर्ति। उस दिन नेताजी सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज (इंडियन नेशनल आर्मी- आइएनए) के उनके साथियों की प्रतिमाओं का अनावरण तत्कालीन उपराष्ट्रपति बीडी जत्ती ने किया था।

इन्हें यहां पर स्थापित करने में तकरीबन दस दिन लगे थे। दिल्ली के निवासी मूर्ति के लगने के कई दिनों के बाद तक इसके आगे हाथ जोड़ कर खड़े मिलते थे। इस मूर्ति में भाव और गति का कमाल का संगम देखने को मिलता है। इसे आप कुछ पल रूक कर अवश्य देखते हैं। इसे देख कर लगता है कि नेताजी आपसे कुछ कहना चाहते हों। यह बेहद जीवंत प्रतिमा है। इसे राष्ट्रपति भवन के पास लगे ग्यारह मूर्ति स्मारक के स्तर की माना जा सकता है। महात्मा गांधी की अगुआई में हुए महत्वपूर्ण दांडी मार्च को प्रदर्शित करनेवाली ग्यारह मूर्तिओं में भी कई मूरतें हैं। बता दें कि इंडिया गेट पर जिस जगह पर नेताजी की मूर्ति लगेगी, वहां पर पहले महात्मा गांधी की मूर्ति स्थापित करने का प्रस्ताव था।

उल्लेखनीय है कि इंडिया गेट का उद्घाटन 12 फरवरी, 1931 को हुआ था। तब देश पर औपनिवेशिक शासन था। यह सबको पता ही है कि यह स्मारक प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों की याद में बना था। यहीं पर 1947 यानी भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति तक ब्रिटिश सम्राट जॉर्ज पंचम की मूर्ति स्थापित थी। अब उसी स्थान पर नेताजी की प्रतिमा हम देखेंगे। इंडिया गेट को लाल और धूसर रंग के पत्थरों और ग्रेनाइट से बनाया गया था। इंडिया गेट के अंदर मौजूद लगभग 300 सीढ़ियों को चढ़कर आप इसके ऊपरी गुंबद तक पहुंचते हैं। इस स्मारक की सुरक्षा के लिए भारतीय सशस्त्र सेना के तीनों अंगों- थल सेना, नौसेना और वायुसेना- के जवान दिन-रात तैनात रहते हैं। इंडिया गेट की आधारशिला 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी। उन्हीं के नाम पर कनॉट प्लेस का नाम रखा गया था। इसे वायसराय लार्ड इर्विन ने राष्ट्र को समर्पित किया था। इंडिया गेट रात को फ्लडलाइट से जगमगाने लगता है। उस समय का मंजर बेहद दिलकश होता है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जो प्रतिमा सुभाष पार्क में लगी हुई है, उसे महाराष्ट्र के महान मूर्तिशिल्पी सदाशिवराव साठे ने बनाया था। महात्मा गांधी की राजधानी में पहली आदमकद प्रतिमा चांदनी चौक के टाउन हॉल के बाहर 1952 में लगी थी। उस नौ फीट ऊंची मूरत को भी सदाशिव राव साठे ने ही बनाया था। पिछले साल ही मुंबई में सदाशिव राव साठे का निधन हो गया।

वे 95 साल के थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी उनके काम के अनन्य प्रशंसकों में थे। साठे ने सैकड़ों आदमकद और धड़ प्रतिमाएं बनायी थीं, जो देश-विदेश में कई स्थानों पर स्थापित हैं तथा प्रेरणा का स्रोत बनी हुई हैं। साठे दिल्ली के अनेक स्थानों पर लगी महापुरुषों की मूर्तियों की रचना करते रहे। कनॉट प्लेस से मिन्टो रोड की तरफ जानेवाली सड़क पर छत्रपति शिवाजी महाराज की 1972 में आदमकद प्रतिमा की स्थापना कर दिल्ली ने भारत के वीर सपूत के प्रति अपने गहरे सम्मान के भाव को प्रदर्शित किया था। इस मूर्ति को भी साठे ने ही अपने सिद्ध हाथों से उकेरा था। इस अश्वारोही प्रतिमा को किसने मुग्ध होकर न निहारा होगा! छत्रपति शिवाजी का घोड़ा एक पैर पर खड़ा है। हवा में प्रतिमा तभी रहेगी, जब संतुलन के लिए पूंछ को मजबूती से गाड़ दिया जाए, यह बात सदाशिव साठे जैसे कलाकार ही समझ सकते थे। राजधानी के सबसे व्यस्त चौराहे तिलक ब्रिज पर लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की लगी 12 फीट ऊंची प्रतिमा को भी उन्होंने ने ही तैयार किया था।

दिल्ली के सुभाष पार्क में लगी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति के बाद उनकी एक बेहद शानदार प्रतिमा संसद भवन के गेट नंबर पांच और सेंट्रल हॉल के पास 23 जनवरी, 1997 को स्थापित की गयी थी। यह कांस्य प्रतिमा है। इस मूर्ति को दिग्गज मूर्तिशिल्पी कार्तिक चंद्र पाल ने बनाया था तथा इसका अनावरण किया था देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ शंकर दयाल शर्मा ने।

इस मूर्ति को पश्चिम बंगाल सरकार ने भेंट किया था। कार्तिक चंद्र पाल ने ही जनसंघ के नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मंदिर मार्ग की नयी दिल्ली काली बाड़ी में लगी मूरत को भी बनाया था। उनकी धर्मपत्नी रेखा पाल भी मूर्तिशिल्पी थीं। संसद भवन में नेताजी का एक प्रभावशाली चित्र 23 जनवरी, 1978 को लगाया गया था, जिसे नामवर चित्रकार चिंतामणि कार ने सृजित किया था। इस चित्र का अनावरण तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने किया था। हमारे लिए यह गर्व का विषय है कि अब इस शृंखला में इंडिया गेट भी जुड़ गया है।

गणतंत्र दिवस

नौसेना की झांकी में दिखेगा 1946 का विद्रोह

हिंदुस्तान के गौरवशाली इतिहास की दो तारीखें हर हिंदुस्तानी के दिल पर बसती हैं। 15 अगस्त और 26 जनवरी। 15 अगस्त को ब्रितानी हुकूमत के चंगुल से आजाद हुआ और 26 जनवरी को हमारा संविधान लागू किया गया है। ये दोनों ही महोत्सव धूमधाम के साथ मनाएं जाते हैं और इसकी तैयारियां महीनों पहले से होती हैं। इस बार के गणतंत्र दिवस का जश्न कुछ अलग होने जा रहा है। कई सारी तैयारियां इस बार बिल्कुल नईं होंगी। आपको राजपथ के ऊपर आसमान में सी-130जे सुपर हरक्युलस विमान भी दिखेगा। इसके साथ-साथ गणतंत्र दिवस परेड में 16 पैदल दस्ते, 17 सैन्य बैंड और विभिन्न राज्यों, विभागों और सशस्त्र बलों की 25 झांकियां हिस्सा लेंगी। परेड में सेना का प्रतिनिधित्व एक घुड़सवार दल, 14 मशीनीकृत दल, छह पैदल टुकड़ियों और विमानन विंग के उन्नत हल्के हेलिकॉप्टरों के एक फ्लाईपास्ट द्वारा किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस परेड में इस वर्ष भारतीय नौसेना की झांकी में 1946 में हुए नौसेना का विद्रोह दिखाया जाएगा जिसने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया था। मार्चिंग दस्ते का नेतृत्व महिला अधिकारी करेंगी। नौसेना के दल में 96 पुरुष, तीन प्लाटून कमांडर और एक दल कमांडर होगा। इसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कमांडर आंचल शर्मा करेंगी।

नीरज चोपड़ा होंगे आकर्षण का केंद्र

26 जनवरी को राजपथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में इस बार हरियाणा की विशेष झांकी भी शामिल होगी। राज्य के 10 ओलंपियन इस झांकी का हिस्सा होंगे। टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा की आदमकद तस्वीर इसका मुख्य आकर्षण होगी।

परेड में कौन-कौन होगा शामिल

भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना का एक-एक पैदल दस्ता भी परेड में हिस्सा लेगा। बयान में कहा गया है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की ओर से, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी, भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और बीएसएफ के पांच पैदल दस्ते परेड में हिस्सा लेंगे। कुल मिलाकर, सशस्त्र बलों, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, दिल्ली पुलिस, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 16 पैदल दस्ते, 17 सैन्य बैंड, पाइप और ड्रम बैंड इसमें हिस्सा लेंगे। इस वर्ष की परेड में दो परमवीर चक्र और एक अशोक चक्र पुरस्कार विजेता भी भाग लेंगे।

पराक्रम दिवस की शुरुआत

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया है कि ग्रेनाइट की बनी उनकी एक भव्य प्रतिमा इंडिया गेट पर स्थापित की जाएगी। यह उनके प्रति देश के आभार का प्रतीक होगा। इसके पहले पीएम मोदी नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा का लोकार्पण किया। प्रतिमा पूरी हो जाने पर उसे होलोग्राम स्टैच्यू से रीप्लेस कर दिया जाएगा। पीएम मोदी ने इंडिया गेट पर लगने वाली प्रतिमा का मॉडल भी साझा किया है। फिलहाल यह प्रतिमा बनाई जा रही है। जब तक यह नहीं बनती, तब तक यहां पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा लगी रहेगी।

बीटिंग रिट्रीट समारोह में अबाइड विद मी धुन नहीं

इस साल बीटिंग रिट्रीट समारोह में अबाइड विद मी धुन नहीं सुनाई देगी। इस धुन को महात्मा गांधी की पसंदीदा धुन कहा जाता है। इसे 1950 से लेकर हर साल 29 जनवरी को समारोह के अंत में बजाया जाता है। रक्षा मंत्रालय की तरफ से बीटिंग रिट्रीट समारोह में बजाए जाने वाले 26 धुनों की लिस्ट जारी की गई है, लेकिन अबाइड विद मी को शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले साल 2020 में भी इस धुन को हटाने की बात हुई थी लेकिन विवाद के बाद इसे शामिल कर लिया गया। इस धुन की बजाय ऐ मेरे वतन के लोगों की धुन सुनाई देगी।

- **अस्थायी की जगह स्थायी ब्रिज**
  अधिकारियों का कहना है कि राजपथ के दोनों ओर बनी कैनाल पर गणतंत्र दिवस पर 16 अस्थायी ब्रिज बनाए जाते थे, लेकिन अब यहां स्थायी ब्रिज बनाए गए हैं। इसके अलावा राजपथ पर कुछ सब-वे भी बनाए गए हैं ताकि लोगों को आरपार जाने के लिए सड़क के ऊपर से जाने की जरूरत ही न हो।
- **वीर सैनिक धुन बजाएगा**
  रक्षा मंत्रालय की तरफ से बीटिंग रिट्रीट समारोह की जारी लिस्ट के मुताबिक शुरुआत सैनिकों के मास्ड बैंड से होगी जो वीर सैनिक धुन बजाएगा। पाइप और ड्रम बैंड 6 धुन बजाएगा। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों का बैंड तीन धुन बजाएगा। एयरफोर्स का बैंड चार धुन बजाएगा। नेवी बैंड चार और आर्मी मिलिट्री बैंड तीन धुन बजाएगा।

कहानी — हाथी में भगवान

ईश्वर कहां हैं, शिष्य ने अपने गुरु से पूछा। गुरु ने जवाब देते हुए कहा कि ईश्वर तो हर जगह मौजूद हैं। गुरु ने कहा कि ईश्वर तो तुममें भी है और मुझमें भी है। वह हर जीव में मौजूद है। वह कण-कण में मौजूद है। शिष्य ने गुरु की यह सीख गांठ बांध ली। गुरु से आज्ञा लेकर शिष्य अपने घर की ओर चला। रास्ते में उसे एक हाथी दिखाई दिया। हाथी के ऊपर बैठा महावत जोर से चिल्ला रहा था कि रास्ते से हट जाइए। हाथी काबू से बाहर हो गया है। यह आपको मार भी सकता है। शिष्य ने सोचा कि गुरुजी ने कहा कि हर किसी में भगवान है। तो मुझमें भी भगवान हैं और इस हाथी में भी भगवान हैं। तो भगवान भला भगवान को क्यों मारने लगे। यह सोचकर वह हाथी के सामने जाकर खड़ा हो गया। हाथी गुस्से में तो था ही उसने शिष्य को सूंड से उठाया और जमीन पर दे मारा। शिष्य गीली मिट्टी वाली जगह पर गिरा था इसलिए उसे ज्यादा चोट नहीं आई फिर भी उसे कमर और पैरों में गहरी चोट लगी। शिष्य गुस्से से आग-बबूला हो गया। वह तुरंत ही गुरु के पास पहुंचा और बोला कि आपने तो कहा कि हर किसी में भगवान है। तो फिर हाथी में भी भगवान होना चाहिए था। फिर बताइए उसने मुझ पर आक्रमण क्यों किया। क्या भगवान मुझे मारना चाहते हैं। गुरु बोले, बेटा माना कि भगवान हाथी में हैं पर भगवान उस महावत में भी हैं जो तुम्हें रास्ते से हटने के लिए कह रहा था। तुमने उसकी बात क्यों नहीं मानी। तो दोस्तों अपने कामों के लिए दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। हमें यह सोचना चाहिए कि क्या अच्छा हो सकता है। हमेशा किस्मत को भी दोष नहीं देना चाहिए। सोचना चाहिए कि किस्मत से हमें कितनी अच्छी चीजें मिली हैं।

हंसना मना है

पति: आज खाना क्यों नहीं बनाया? पति: जीजा जी, मैं गिर गई थी और लग गई। जीजा जी: कहां गिर गई थी साली जी और क्या लग गई थी आपको? पत्नी: जीजा जी, तकिये पर गिर गई थी और नींद लग गई थी।

पत्नी: तुम शराब में बहुत पैसे बरबाद करते हो, अब बंद करो। चिंटू: और तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो उसका क्या पत्नी: वो तो मैं तुम्हें सुंदर लगूं इसलिए। चिंटू: पगली तो में भी तो इसलिये पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगो।

टीचर: न्यूटन का नियम बताओ। स्टूडेंट: सर पूरी लाइन तो याद नहीं, लास्ट की याद है। टीचर: चलो लास्ट की ही सुनाओ। स्टूडेंट: और इसे ही न्यूटन का नियम कहते हैं।

मायके से पत्नी फोन पर : आपके बिना जी नहीं लगता। पति: अरे पगली, जी नहीं लगता तो स्टार या सोनी गोल्ड लगा कर देख ले, वो भी अच्छे चैनल हैं।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रतिपूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। अधीनस्थों की ओर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

मिथुन
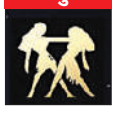
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनकूल रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें। नए अनुबंध होंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

कर्क

दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। लेन-देन में सावधानी रखें।

सिंह
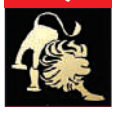
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी।

कन्या

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। राजकीय काम बनेंगे। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं।

तुला

राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें।

वृश्चिक

वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अत: उसका परित्याग करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

धनु

मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

मकर

व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

कुम्भ
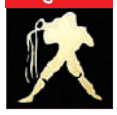
आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान से कष्ट रहेगा।

मीन

प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कंगना ने साउथ फिल्ममेकर्स को दी बॉलीवुड से बचने की सलाह

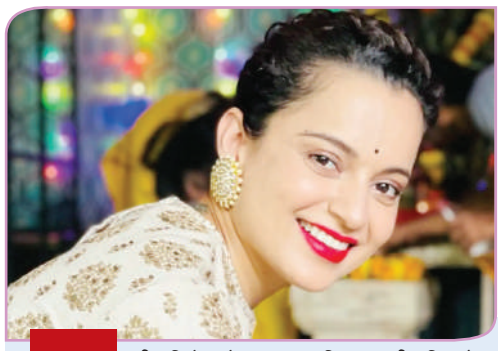

भारतीय सिनेमा में इस वक्त दक्षिण भारतीय फिल्मों का खूब शोर है। तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज हो रहीं फिल्में पिछले कुछ वक्त से जिस तरह से पूरे देश में लोकप्रियता हासिल कर रही हैं, वो अभूतपूर्व है। हाल ही में तेलुगु फिल्म पुष्पा-द राइज की हिंदी बेल्ट में सफलता ने ट्रेड पंडितों को भी हैरान कर दिया। अब कंगना रनोट ने दक्षिण भारतीय फिल्मों की बेतहाशा सफलता पर अपनी राय दी है और तीन वजहें बतायी हैं, जिसके चलते साउथ सिनेमा की फिल्मों को अखिल भारतीय स्तर पर इतना सराहा जा रहा है। साथ ही कंगना ने इन फिल्ममेकर्स को बॉलीवुड से बचने की चेतावनी भी दी। कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी में इन कारणों का जिक्र किया है, जिसके चलते साउथ कंटेंट और सुपर स्टार्स का इतना क्रेज है। कंगना ने इसकी पहली वजह बतायी है कि साउथ फिल्मों का कंटेंट की जड़ें भारतीय संस्कृति में गहरे तक पैबस्त हैं। दूसरी वजह है कि वो अपने परिवारों से बेहद प्यार करते हैं और उनके रिश्तों में पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव नहीं है, वो भारतीय मान्यताओं के अनुरूप हैं। उनके जज्बे और काम के प्रति समर्पण का कोई मुकाबला नहीं है। इसके साथ कंगना ने लिखा- उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बॉलीवुड उन्हें भ्रष्ट न कर सके। बता दें, कंगना की पिछली फिल्म थलाइवी तमिल और हिंदी में रिलीज की गयी थी। तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जे जयललिता की बायोपिक की पटकथा केवी विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी थी और निर्देशन एएल विजय ने किया था। इस साल साउथ सिनेमा की कई बड़ी फिल्में हिंदी में भी साथ में रिलीज होंगी। इनमें राम चरन-एनटीआर जूनियर की आरआरआर, प्रभास की राधे श्याम, यश की केजीएफ चैप्टर 2, विजय देवरकोंडा की लाइगर और अजीत कुमार की वलिमै शामिल हैं। आरआरआर और राधे श्याम मूल रूप से तेलुगु फिल्में हैं, जबकि केजीएफ चैप्टर 2 कन्नड़ फिल्म है।

सर्वश्रेष्ठ फीमेल एक्टर की सूची में तापसी पन्नू

तापसी पन्नू अपनी शानदार एक्टिंग और बेबाक अंदाज के चलते चर्चाओं में रहती हैं। वो अक्सर अपनी आगामी फिल्मों से जुड़े अपडेट सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इसी बीच अब उन्होंने भारतीय फिल्म संस्थान द्वारा पिछले साल रिलीज हुई फिल्म हसीन दिलरुबा में अपने प्रदर्शन के लिए साल 2021 की बेस्ट फीमेल एक्टर की सूची में शामिल किया है। इसकी जानकारी तापसी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर दी है। सर्वे में देश में 07 फिल्म समीक्षकों को रेटिंग मैकेनिकल के माध्यम से आईएफआई ने आमंत्रित किया गया था। जिन्होंने तापसी की फिल्म हसीन दिलरुबा को 10 में से 1 नंबर पर रखा। इस सर्वेक्षण में भारद्वाज रंगन, सचिन चटे, सिराज, चांदो खान, डाल्टन क्रिस्टोफर, उत्पल दत्ता ने भाग लिया था। बता दें कि 2 जुलाई, 2021 नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई हसीन दिलरुबा एक मर्डर मिस्ट्री थ्रिलर और ट्विस्टेड लव स्टोरी है, जिसका निर्देशन विनिल मैथ्यू ने किया है। फिल्म में तापसी पन्नू के साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे ने मुख्य किरदार निभाया है।

तापसी पन्नू का वर्कफ्रंट

बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो साल 2022 में बैट टू बैक कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। वो जल्द ही फिल्म लूप लपेटा में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री ताहिर राज भासीन के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। लूप लपेटा साल 1998 में आई जर्मन फिल्म रन लोला रन का आधिकारिक रीमेक है, जिसको टॉम टाइकर ने निर्देशित किया था। आकाश भाटिया द्वारा निर्देशित इस रीमेक को सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडिया, एलिप्सिस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन और आयुष माहेश्वरी के बैनर तले बनाया है। ये फिल्म 4 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसके अलावा तापसी राहुल ढिलकिया के निर्देशन में बनी फिल्म में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कैप्टन मिताली राज की बायोपिक है, जिसमें एक्ट्रेस लीड मिताली राज का किरदार प्ले कर रही हैं। तापसी पन्नू की इस फिल्म को भी इस साल 4 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है।

पत्नी मीरा संग रोमांटिक हुए शाहिद कपूर

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत इंडस्ट्री के टॉप कपल्स की लिस्ट में शुमार हैं। दोनों हमेशा ही किसी न किसी कारण सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। फैंस इस जोड़ी को काफी पसंद करते हैं इसलिए शाहिद और मीरा को एक साथ देखने के लिए बेकरार रहते हैं। शाहिद की पत्नी मीरा पिछले काफी समय से लाइमलाइट से दूर है, लेकिन अपने चाहने वालों के बीच चर्चा में कैसे रहना है, यह बात वह अच्छी तरह से जानती हैं। एक्ट्रेस अपने फैंस के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन कोई न कोई तस्वीर शेयर कर सुर्खियों का हिस्सा बन ही जाती हैं। जिसने इंटरनेट पर आग लगा दी है। इस कपल ने अब तक की सबसे बोल्ड फोटो शेयर की है और फैंस को हैरान कर दिया है। मीरा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह शाहिद के साथ रोमांटिक मूड में हैं। फोटो में दोनों शीशे के सामने लिपलॉक करते दिख दे रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब

अपने पिता के नाम पर रखा है नाम

6000 फीट की ऊंचाई पर बना अनोखा होटल

इंसानों ने धरती पर कई अद्भुत और अनोखे निर्माण किए हैं, जिनके बारे में कल्पना भी करना मुश्किल है। वहीं अगर आपको पता चले कि इंसानों ने धरती से करीब 6000 फीट की ऊंचाई पर भी एक अद्भुत निर्माण किया है तो ये बात जानकर थोड़ी हैरानी जरूर होगी, लेकिन ये बिल्कुल सच है। इंसानों द्वारा किया गया ये अद्भुत निर्माण अलास्का के रूथ ग्लेशियर में बना एक होटल है। ये होटल अमेरिका में मौजूद खूबसूरत जगहों में से एक है, जहां पहुंचकर आप अपने आप को एक अलग ही दुनिया में महसूस करंगे। अलास्का के डेनली नेशनल पार्क के पास बने इस होटल से बाहर दूर-दूर तक सिर्फ बर्फ ही बर्फ है। सिर्फ यही नहीं ये होटल जिस जगह पर बना हुआ है, वहां पहुंचना भी आसान नहीं है। आइये जानते हैं धरती से करीब 6000 फीट की ऊंचाई पर बने इस होटल के बारे में कुछ खास बातें...इस होटल को रॉबर्ट और केट शेल्डन ने साल 2018 में बनवाया था और इसका नाम उन्होंने अपने पिता के नाम पर रखा था। इस होटल बनाने की परमिशन लेने में ही इसके मालिकों को करीब 10 साल लग गए थे। यहां पहुंचने और होटल में ठहरने के लिए लोग प्राइवेट हेलिकॉप्टर से आते हैं। सबसे बड़ी बात कि यहां 3 दिन रहने के लिए 35,000 डॉलर यानि भारतीय मुद्रा में 26 लाख से भी ज्यादा रकम खर्च करनी पड़ेगी। यहां ठहरने का खर्चा भले ही ज्यादा है लेकिन जो लोग शहरों की भगदौड़ से थोड़ा ऊब चुके हैं और कुछ दिन शांत जगह पर छुट्टियां बिताने की सोच रहे हैं उनके लिए ये बेस्ट जगह है। यहां रहने के लिए एक कपल का रेंट 26 लाख रुपये से थोड़ा ज्यादा होगा। लेकिन अच्छी बात ये है कि इतने खर्चे में हेलिकॉप्टर शटल सर्विस, डाइनिंग, स्लेडिंग, ग्लेशियर ट्रेकिंग और माउंटेनियरिंग का खर्च भी शामिल होगा। सबसे बड़ी बात ये है कि यहां एक बार में सिर्फ 10 लोगों के ही ठहरने की व्यवस्था है। यहां की खूबसूरती देखने लायक होती है। दिन में खूबसूरत बर्फ से ढके पहाड़ दिखते हैं तो रात का नजारा अपने आप में ही लाजवाब होता है। यहां खाना अलास्कन शेफ तैयार करते हैं। सिर्फ यही नहीं, होटल के रूफटॉप पर सन बाथ और चिल करने के लिए जगहें भी बनी हुई हैं।

पाक की इस मीनार में छिपा है रहस्यमयी खजाना कोई बताता है हिंदू मंदिर तो कोई बौद्ध स्तूप

दुनिया में किलों और मीनारों की कोई कमी नहीं है। एक से बढ़कर एक भव्य और प्राचीन मीनारें हैं, जो लोगों को हैरान करते हैं। इनमें कई किले और मीनारें बेहद रहस्यमयी हैं। आईए जानते हैं एक ऐसे ही मीनार के बारे में जिसे रहस्यमयी खजाने के लिए जाना जाता है। यह मीनार पाकिस्तान के रहीम यार खान जिले में स्थित है। यह मीनार रहस्यों से भरी हुई है क्योंकि इसके नीचे छिपे खजाने को आज तक कोई नहीं खोज पाया। इस खजाने को लेकर आज भी रहस्य बरकार है। कहा जाता है कि 19वीं सदी में अंग्रेजों के शासन के दौरान एक कर्नल मीनार की खोज के लिए निकला था। वहां पर पहुंचने के बाद इस अधिकारी ने मीनार की खुदाई का आदेश दिया लेकिन खजाने की खुदाई के दौरान अजीबो गरीब मक्खियों का झुंड बाहर आ गया जिनके डंक मारने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद खुदाई को रोक दिया गया। इस मीनार का नाम पतन है जो पाकिस्तान के रहीम यार खान जिले में स्थित है। बताया जाता है कि इस रहस्यमयी मीनार के नीचे खजाना छिपा है, लेकिन आजतक इस खजाने के रहस्य को कोई सुलझा नहीं पाया है। माना जाता है कि रहीम यार खान से आठ किलोमीटर की दूरी पर स्थित पतन मीनार पांच हजार साल पुरानी है। कुछ लोगों का कहना है कि यह बौद्ध स्तूप था जिसमें सिर्फ एक स्तंभ बचा है। इस इमारत की डिजाइन को लेकर बहुत कम जानकारी है। ज्यादातर लोगों का कहना है कि इसको हड़प्पा घाटी सभ्यता के दौरान बनाया गया था। इस मीनार का नाम पट्टन पुर के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि पट्टन सिंधु नदी की एक शाखा घाघरा नदी के तट पर बसा एक हरा-भरा शहर था। पतन मीनार का अर्थ है टॉवर ऑन द फोर्ड। इस इमारत में पश्चिम की तरफ एक ही द्वार है। ऊपरी मंजिल तक जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। बताया जाता है कि इस मीनार को वॉच टावर के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। कुछ पुरातत्वविदों का मानना है कि इस इमारत का निर्माण सिकंदर महान ने किया था। उनका कहना है कि सिकंदर जब भारत में अपने सैन्य अभियान के दौरान इस क्षेत्र से जा रहा था उसी दौरान उसने इसका निर्माण कराया था। सिकंदर की सेना जहां भी जाती थी, पूरे के पूरे नगर जला दिए जाते थे। सिकंदर ने यहां पर एक छावनी की स्थापना की और स्थानीय जनजातियों पर नजर रखने के लिए इस मीनार इस्तेमाल किया जाता था। 18 वीं शताब्दी में पतन मीनार को तोड़ा गया तो एक ईंट मिली जिस पर संस्कृत में लिखा गया था। तो वहीं कुछ पुरातत्वविदों का कहना है कि यह एक हिंदू मंदिर था। इस इमारत में कई ऐसी चीजें हैं जो हिंदू मंदिरों में होती हैं। उनका कहना है कि एक खास लोगों के लिए यह मंदिर बनाया गया था।

बाराबंकी : बस खाई में पलटी दो की मौत, 26 यात्री घायल

» रामनगर के घाघराघाट के पास हुआ भीषण हादसा बलरामपुर से लखनऊ आ रही थी बस

» चालक परिचालक फरार बस में सवार थे करीब 50 यात्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। बहराइच हाईवे पर घाघराघाट के निकट सोमवार को एक बस को ओवरटेक करने में रोडवेज बस खाई में पलट गई। इसमें दो की मौत हो गई जबकि 26 घायल हो गए। इसमें 16 को जिला अस्पताल रेफर किया गया है जबकि दस का रामनगर सीएचसी पर इलाज चल रहा है। बस बलरामपुर से लखनऊ

जा रही थी, जिसमें करीब 50 यात्री सवार थे। घटना के बाद चालक-परिचालक मौके से भाग गए।

एएसपी पूर्णेंदु सिंह ने मौके पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए भेजवाया है। घायलों में गोंडा, बलरामपुर, सीतापुर, बहराइच, बांदा और श्रावस्ती आदि जिले के यात्री शामिल हैं। वहीं, दूसरी रोडवेज बस के चालक को मामूली चोट आई है।

पुलिस के अनुसार रामनगर कोतवाली के घाघराघाट के पास हुए हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। इसमें सीतापुर के सदरपुर थाना के पिपराखुर्द के श्यामलाल के 36 वर्षीय पुत्र नरेंद्र और बलरामपुर के बालापुर थाना के मोझनी के 50 वर्षीय बृजेश कुमार त्रिपाठी शामिल हैं। वहीं सीतापुर के बदौरा के बिट्टू और शुचि, श्रावस्ती के लाल बोझी गोरा के अंबिका प्रसाद की पत्नी उसमा देवी, पुत्र रवि व पुत्री नीता देवी, लाल बोझी कटरा के गिरीश कुमार , गोंडा जिले के बलपुर करनैलगंज के प्रदीप कुमार दुबे, कटरा बाजार के रितेश कुमार, उनकी पत्नी ज्योति, करनैलगंज के बटौरा निवासी राम प्रसाद, विजय, पटेलनगर के विनोद कुमार, बदलपुर बेलसर की प्रीती तिवारी और इटियाथोक के महावीर, कोतवाली नगर की विनोद कुमारी और बांदा के कोतवाली नगर के कृष्ण विजय शामिल हैं। प्रीति और प्रदीप को लखनऊ रेफर किया गया है। इसके अलावा अन्य घायलों को रामनगर सीएचसी में भर्ती कराया गया है। वहीं सूचना पर पुलिस पहुंची और बस को क्रेन से उठाया। इसके बाद बस में फंसे यात्रियों को निकालकर सीएचसी भेजने का काम शुरू किया गया। हादसे की सूचना पर एआरएम आरएस वर्मा और एआरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे।

बबीता फोगाट समेत 252 पर केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने पर अलग-अलग थानों में ओलंपियन पहलवान, प्रत्याशियों, जिला पंचायत सदस्य, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष समेत 252 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि फेसबुक व ट्वीटर पर चुनाव प्रचार के कुछ फोटो डाले गए थे। जांच पर पता चला कि बली गांव में भाजपा के केपी मलिक के प्रचार के फोटो हैं। प्रचार करने पहुंची ओलंपिक पहलवान बबीता फोगाट, केपी मलिक, जिला पंचायत सदस्य रवींद्र बली व 60 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। वहीं संतोषपुर गांव में सरकारी पंचायत घर में बिना अनुमति सभा कराई जा रही थी। इसमें रालोद प्रत्याशी जयवीर सिंह तोमर व सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बिल्लू प्रधान तथा 100 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

देश के विकास में यूपी का योगदान अहम : रेड्डी

» महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित की गयी संगोष्ठी

» डॉ. सनोबर हैदर ने छात्र-छात्राओं को प्रदेश की दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ डॉ. सनोबर हैदर द्वारा उत्तर प्रदेश के सामान्य परिचय देने तथा महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता के स्वागत उद्बबोधन से किया गया। प्राचार्या ने उत्तर प्रदेश दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को बधाई दी गई।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता आईएएस संजय भूस रेड्डी ने उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, धार्मिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश वह प्रदेश है जो केवल जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक विशाल नहीं वरन मानवीय संसाधनों की दृष्टि से भी समृद्ध व सुसंपन्न है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 75 जिले हैं और वे सभी किसी न किसी दृष्टिकोण से अपने आप में अत्यंत खूबसूरत और

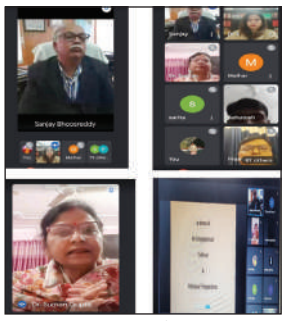

संपन्न और कोई न कोई विशिष्टता लिए हुए हैं। यहां की उत्पादित वस्तुओं का प्रचुरता से निर्यात किया जाता है जो सम्पूर्ण देश की आर्थिक स्थिति के विकास में एक बड़ा योगदान है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का यह दिन आज दिवस के रूप में इसलिए मनाया जाता है क्योंकि आज के दिन लोग प्रदेश के इतिहास, विकास भव्यता, समृद्धि से परिचित हो सकें और साथ ही इस प्रदेश के नागरिक होने का गर्व अनुभव कर सकें। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर सनोबर हैदर ने मुख्य अतिथि एवं समस्त प्राध्यापकों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं ऑनलाइन उपस्थित रहे।

शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि का मामला

महिला अधिकारी के उत्पीड़न की शिकायत पर राज्यपाल सख्त, जांच के आदेश

» दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अपर मुख्य सचिव को जांच कराकर कार्रवाई को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डॉ. शंकुतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्व विद्यालय की एक महिला अधिकारी ने एक प्रोफेसर समेत तीन उच्च अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाने के बाद प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से पिछले दिनों मुलाकात कर मामले की शिकायत की थी। महिला अधिकारी की शिकायत के बाद राज्यपाल और कुलाधिपति ने इस मामले की जांच के आदेश अपर मुख्य सचिव, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को दिए हैं। साथ ही उचित कार्रवाई कर अवगत कराने को भी कहा है।

राज्यपाल और कुलाधिपति की ओर से अपर मुख्य सचिव, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को जारी पत्र में कहा गया है कि महिला अधिकारी के शिकायत पत्र का संज्ञान लेते हुए इस मामले में जांच कर विधि अनुसार कार्रवाई की जाए और इसकी जानकारी उपलब्ध करायी जाए। गौरतलब है कि पीड़ित महिला अधिकारी ने पिछले दिनों राज्यपाल से मुलाकात कर इसकी शिकायत की थी। पत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव अमित कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार राय, उप कुलसचिव एके सिंह और प्रोफेसर हिमांशु शेखर झा पर यौन और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है और न्याय की गुहार लगायी थी। इसके अलावा शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, उत्तरप्रदेश महिला आयोग, दिव्यांग अधिकारिता विभाग को भी शिकायत पत्र भेजा था। साथ ही पूरे मामले पर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। इसके बाद राज्यपाल ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए जांच का आदेश जारी किया है।

सिद्धू पंजाब की सियासत के ड्रामा क्वीन : चड्ढा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आप नेता ने कांग्रेस के पंजाब अध्यक्ष पर जमकर बोला हमला

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के पंजाब मामलों के सह-प्रभारी राघव चड्डा ने कांग्रेस के पंजाब प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू पर जमकर हमला किया।

उन्होंने कहा कि पंजाब में कई बार सरकारें बदलीं, कई पर्टियां सत्ता में आईं और गईं लेकिन सिद्धू पिछले 15 वर्षों से लगातार सत्ता में हैं। पार्टियां बदल-बदल कर इस शख्स ने हमेशा सत्ता का लाभ उठाया। यह शख्स अकाली-भाजपा की सरकार में 10 साल और कांग्रेस सरकार में पांच साल तक सत्ता का हिस्सा रहा लेकिन पिछले 15 साल से सत्ता में रहने के बावजूद इस शख्स ने पंजाब और यहां के लोगों के भले के लिए कोई काम नहीं किया। सिद्धू पंजाब की सियासत के ड्रामा क्वीन हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धू का मकसद सिर्फ पंजाब के लोगों को मुद्दे से भटकाना है। वे आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के बारे में घटिया बयान दे रहे हैं। हम उनके बयान की सख्त निंदा करते हैं। नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब की सत्ताधारी पार्टी के प्रधान हैं इसलिए उन्हें अपनी बातों के मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए।

बीजेपी को नहीं मिलेगा जिन्ना और पाकिस्तान मुद्दे का फायदा

» प्रदेश की जनता को अब गुमराह नहीं कर पायेगी भाजपा

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव 10 फरवरी से शुरू हो जाएंगे जिसको देखते हुए सभी राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए वोटों के गुणा-गणित में जुट गए हैं। वहीं अगर बीजेपी की बात करें तो उनका मेन फोकस धर्म के मुद्दों पर है लेकिन इस बार बीजेपी पाकिस्तान और जिन्ना के मुद्दे को धार नहीं दे पा रही है। वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, श्रवण गर्ग, सीपी राय (चिंतक), प्रो. रविकान्त (लखनऊ विवि), प्रो. लक्ष्मण यादव व 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ एक लंबी परिचर्चा में ये बात सामने आई।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अशोक वानखेड़े ने कहा एक तरफ तो चीनी समान का बहिष्कार करते हैं तो दूसरी तरफ देश में इसका उत्पादन बढ़ रहा है। पाकिस्तान और चीन दोनों दुश्मन है मगर चुनाव के समय पाक पर मुद्दा उछालकर बीजेपी फायदा चाहती है। हर चुनाव में यह इनकी कामयाब चाल है। श्रवण गर्ग ने कहा कि संबित पात्रा सबसे बड़े देशद्रोही हैं, भारत को पाकिस्तान से खतरा नहीं, ये चुनाव का समय हिंदू-मुस्लिम में फूट डालना, चीन के साथ बात न करना ये इनकी पुरानी आदत है। सीमा पर तनाव नहीं है इस समय। जिन्ना प्रेम आडवाणी जी से पूछ ले तो भाजपा के लिए बेहतर होगा। प्रो. रविकांत ने कहा बीजेपी मुसलमान को टारगेट करती है। पाक और जिन्ना की बात कर लोगों को गुमराह कर हिंदु-मुसलमान कर रही है। 80 बनाम 20 का योगी का बयान शायद इसी पर था। सीपी राय ने कहा कि कोरोना की लहर में जो दृश्य लोगों ने देखे, आंखे नम हो गईं। ऐसे में इन मुद्दों पर बीजेपी बात करें। पाक की बात करना भारत का अपमान है। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा चुनाव में जनता को कितना भी गुमराह कर लें पर इस बार के परिणाम कुछ और ही होगा। योगी आदित्यनाथ भरपूर मेहनत कर रहे हैं, बावजूद इसके उनको लाभ नहीं मिलेगा।

देश में भाजपा ने सिर्फ महंगाई बढ़ाने पर दिया जोर : अखिलेश

» जनता में भाजपा सरकार के प्रति भारी आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा दुनिया की सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाली पार्टी है। भाजपा ने किसानों, नौजवानों को बड़े-बड़े सपने दिखाए लेकिन सबके साथ छल किया। समाजवादी सरकार के कामों के अलावा उसने कुछ किया नहीं सिर्फ रंग बदलती गयी। उसका दूसरा प्रिय काम समाजवादी पार्टी के प्रति भ्रम फैलाना और जनता को गुमराह करना है। जनता ने भी इसलिए ठान लिया है कि वह इस विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया करेगी। जिस तरह की अभद्र भाषा और अशिष्ट व्यवहार भाजपा द्वारा प्रदर्शित किया जा रहा है, उससे लोकतंत्र की मर्यादा गिरती है।

भाजपा ने चीन का मुद्दा उठाकर अपने पर ही आत्मघाती हमला किया है। पाकिस्तान के मुकाबले चीन से ज्यादा सुरक्षा को खतरा है यह कथन तो पूर्व चीफ डिफेंस स्टाफ जनरल विपिन रावत जी का है। 13 नवंबर 2021 के टाइम्स ऑफ इंडिया में उनका बयान छपा है। इस मामले में भाजपा नेतृत्व को कम से कम जनरल रावत की प्रतिष्ठा का ख्याल रखना चाहिए था। अनर्गल आरोप लगाने से पहले उन्हें सत्यता की जांच कर लेनी चाहिए थी। इस मामले में भाजपा ने वही भ्रम फैलाया है जैसे अपने विज्ञापनों में वह कलकत्ता, चीन के चित्र दिखाकर अपने विकास का खोखला ढोल पीटता दिखाते है। इसमें दो राय नहीं कि समाजवादी सरकार के तमाम विकास कार्यों पर भाजपा खोखले दावे करके जनता को भटकाना चाहती है। अभी समाजवादी पार्टी ने 300 यूनिट घरेलू बिजली मुफ्त देने और राज्य कर्मचारियों-शिक्षकों को पुरानी पेंशन बहाल करने का भरोसा दिलाया तो भाजपा नेता बौखला गए। चूंकि भाजपा ने अपने पूरे कार्यकाल में कुछ किया ही नहीं इसलिए उसे समाजवादी इरादों पर भरोसा कैसे होगा? जबकि यह सच्चाई सभी जानते हैं कि समाजवादी जो कहते हैं, वह करते हैं। समाजवादियों की कथनी करनी में कोई अंतर नहीं होता है। आज स्थिति यह है कि जनता में भाजपा सरकार के प्रति भारी आक्रोश है। समाज का हर वर्ग दु:खी और परेशान है। भाजपा ने सिवाय महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ाने के कुछ और नहीं किया है। उसके समय में महिलाएं अपमानित और दुष्कर्म की शिकार हुई है।

विपक्ष ने अपराधियों को टिकट देकर दिखाया दहशत का ट्रेलर : केशव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के 159 प्रत्याशियों की लिस्ट को लेकर भारतीय जनता पार्टी हमलावर है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उस पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर सपा ने उम्मीदवारों की सूची में यूपी के गौरव को धूल धूसरित करने वालों, अस्मिता का मान मर्दन करने वालों का नाम घोषित कर प्रदेशवासियों और उत्तर प्रदेश का अपमान किया है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने ट्विटर पर लिखा लिस्ट नई, अपराधी वही। चुनाव में प्रत्याशी घोषित करने के लिए सपा मुखिया को धन्यवाद देते हुए केशव मौर्य ने कहा कि अखिलेश ने अपने समाजवादी दंगाराज, गुंडाराज, भ्रष्टराज के ब्रांड एंबेसडरों की सूची जारी कर दी है। सपा के कई उम्मीदवार हैं, जिन पर मुकदमों की भरमार है। आज की सूची तो बस झांकी है, पूरी पिक्चर अभी बाकी है। प्रदेश में डर और दहशत फैलाने का इन्होंने ट्रेलर दिखाया है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कल बालिका दिवस पर भी इनकी सूची में दुष्कर्मी, महिलाओं और बच्चियों के साथ अपराध, यौन हिंसा करने वाले लोगों के नाम शामिल हैं। इन्होंने बहन-बेटियों को अपमानित करने वालों को टिकट देकर समाज विरोधी चेहरा दिखाया है। गुंडों और अपराधियों को प्रत्याशी बनाना समाजवादी पार्टी की मजबूरी है।

हिन्दुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली पार्टी शिवसेना थी : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना नेता संजय राउत ने एक बार फिर से हिंदुत्व के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के नए नेताओं को याद रखना चाहिए कि सबसे पहले हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली कोई पार्टी थी तो वह शिवसेना थी।

भारतीय जनता पार्टी पर किया कटाक्ष

उन्होंने कहा कि भाजपा के नए नेताओं (नव हिंदुत्ववादी) को इतिहास की जानकारी नहीं है। किसी ने उनके इतिहास के पन्ने फाड़ दिए हैं। लेकिन हम समय-समय पर हम उन्हें जानकारी देंगे। वहीं इससे पहले राउत ने सोमवार को भी भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि शिवसेना महाराष्ट्र में भाजपा को नीचे से ऊपर तक ले गई। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बयान को भी दोहराया और कहा कि भाजपा केवल सत्ता के लिए हिंदुत्व का उपयोग करती है। राउत ने कहा था कि बाबरी के बाद उत्तर भारत में शिवसेना की लहर थी। देश में हमारा प्रधानमंत्री होता लेकिन हमने उनके लिए छोड़ दिया। भाजपा केवल सत्ता के लिए हिंदुत्व का उपयोग करती है। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता नवाब मलिक ने भी उउद्धव ठाकरे के भाजपा के साथ 25 साल बर्बाद वाले बयान का समर्थम किया।

मतदान से आठ दिन पहले मैदान में उतरेंगी माया, आगरा में रैली

» विधानसभा चुनाव को लेकर बसपा मुखिया की पहली जनसभा दो को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में सभी 403 सीट पर प्रत्याशी उतारने की घोषणा करने के साथ ही बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती अब उनके पक्ष में जनसभा भी करेंगी। दस फरवरी को पहले चरण के मतदान से पहले पूर्व मुख्यमंत्री मायावती दो फरवरी को ताजनगरी आगरा में पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा करेंगी।

बसपा मुखिया मायावती को पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है। वह प्रचार अभियान की शुरुआत ताजनगरी आगरा से दो फरवरी को करेंगी। मायावती आगरा से मथुरा के साथ अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर तथा एटा के पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा कर अपनी पार्टी की वरीयताओं को गिनाएंगी। साथ ही वह अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील करेंगी। विधानसभा चुनाव 2022 की तारीख घोषित होने के बाद मायावती की आगरा में पहली सभा होगी। यह भी कह सकते हैं कि इस वर्ष वह पहली बार सार्वजनिक सभा में शामिल होंगी। ताजनगरी आगरा में बसपा मुखिया मायावती की कोविड नियमों के तहत यह रैली होगी। आगरा में जनसभा स्थल को भी पहले से निर्धारित कर लिया गया है। इसकी जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तथा राज्यसभा सदस्य सतीश चंद्र मिश्रा ने दी। इससे पहले बसपा की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को एक ट्वीट कर समाजवादी पार्टी की सूची को लेकर कटाक्ष किया था। मायावती ने लिखा था कि बीएसपी को छोड़ सभी पार्टियों की सरकारें राजनीति के अपराधीकरण व अपराध के राजनीतिकरण, कानून के साथ खिलवाड़ कर रही है। इतना ही नहीं यह सभी अपनी पार्टी के गुण्डों व माफियाओं को संरक्षण आदि से यूपी को जंगलराज में ढकेल इसे गरीब व पिछड़ा बनाए रखकर जनता को त्रस्त करने की दोषी हैं।

बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने अपनी ही सरकार को घेरा

युवा वर्ग की पीड़ा को समझें सरकारें

» जनता के सवाल हमेशा संगठन में उठाता रहूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेवर के कारण अक्सर चर्चा में रहने वाले भाजपा के मुखर और युवाओं मे लोकप्रिय सांसद वरुण गांधी फिर से सुर्खियों में हैं। भाजपा सरकार को लेकर ही वह आक्रामक हैं। वह कहते हैं- मैं तो हमेशा से जनता के पाले में हूं। जो जनता के सवाल होंगे वह संगठन में भी हमेशा उठाता रहूंगा। भाजपा हो या कोई और, अपने स्वार्थ के लिए मैं घुटने नहीं टेक सकता हूं।

उन्होंने कहा मैं राजनीति में अपना निजी स्वार्थ साधने नहीं आया हूं। आप को मालूम ही होगा कि न तो मैं सांसद के रूप में मिली तनख्वाह लेता हूं, न सरकारी घर और अन्य सरकारी सुविधाएं। मेरी मां और मैं पूरी ईमानदारी से जन स्वाभिमान की रक्षा की राजनीति करते हैं, लोगों को अपना परिवार मान कर उनकी सेवा करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान जब मेरे संसदीय क्षेत्र पीलीभीत में आक्सीजन सिलेंडर का अभाव हो गया, सरकारी अस्पतालों में जरूरी दवाइयां नहीं मिल रही थीं, तो मैंने अपनी बेटी की एफडी तोड़कर उन पैसों से पीलीभीत में आक्सीजन सिलेंडर और दवाएं पहुंचाई। मुझे लगता है मेरी सलाह पर विचार करने से पार्टी, सरकार और आम जनता सबका भला होगा। सरकारें आएंगी, जाएंगी, यही लोकतंत्र का दस्तूर है। पर हमें देखना होगा कि क्या ये चुनाव लोगों से जुड़े जरूरी और बुनियादी मुद्दों का ध्यान रख रहे हैं या ये राजनीतिक पार्टियों के लोक लुभावन नारों के मकड़जाल में उलझ कर रह गए हैं।

उन्होंने कहा हम एक युवा देश हैं, जहां 35 साल से कम उम्र वाले युवाओं की संख्या लगभग 70 फीसदी है। भूलिए मत, इन्हीं युवा मतदाताओं ने 2014 के बाद लगातार भाजपा को वोट दिया है। आज उनकी स्थिति क्या है? आज तो युवाओं के लिए उनकी डिग्री भी नौकरी की गारंटी नहीं रह गई है, 2019 में 5.5 करोड़ युवाओं ने डिग्री हासिल की पर उनमें से 90 लाख बेरोजगार रह गए।

पूर्व विधायक पूजा पाल ने की दूसरी शादी, फोटो वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पूर्व विधायक पूजा पाल ने दूसरी शादी कर ली है। उनकी शादी का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल है। बता दें कि राजू पाल बसपा के टिकट पर माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ को 2004 में उप चुनाव में पटखनी देकर जीत हासिल की और विधायक बने थे।

इस हार से अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ तिलमिला उठे और राजू पाल की हत्या की साजिश रच डाला। 25 जनवरी 2005 को दिनदहाड़े धूमानगंज इलाके में राजू पाल की हत्या कर दी गई। राजू पाल ने चंद दिनों पहले ही पूजा पाल से विवाह किया था। पूजा पाल ने अपने पति की हत्या के मामले में अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। मायावती ने राजू पाल की पत्नी पूजा पाल को शहर पश्चिमी की सीट से उम्मीदवार बनाया। पूजा पाल ने सफेद साड़ी पहन जनता से राजू पाल के नाम पर वोट मांगा और जनता ने पूजा पाल विधायक बना दिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।